**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या:38**

सोमवार, 22 जुलाई, 2024 ((आषाढ़ 31,1946, (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

**पेक्योंग विमानपत्तन पर उड़ान**

**38. श्री दोरजी त्शेरिंग लेप्चाः**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पेक्योंग विमानपत्तन वर्ष 2018 में अपने चालू होने के बाद से विशेषकर मानसून के मौसम के दौरान कम दृश्यता के कारण उड़ानों के रद्द होने की समस्या से जूझ रहा है;
(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा कम दृश्यता वाले पेक्योंग विमानपत्तन के प्रचालन की संभावना में सुधार लाने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं;
(ग) क्या सरकार कम दृश्यता स्थितियों के दौरान उड़ान प्रचालनों में वृद्धि करने के लिए पेक्योंग विमानपत्तन पर गगन आधारित नेविगेशन प्रणाली और/अथवा इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की संस्थापना हेतु व्यवहार्यता अध्ययन कराएगी;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) और (ख): पेक्योंग हवाईअड्डे को विजुएल फ्लाइट रुल्स (वीएफआर) हवाईअड्डे के रूप में लाइसेंस प्राप्त है, जो 5 किलोमीटर या उससे अधिक की ग्राउन्ड विजिबलिटी पर उड़ान प्रचालन को जारी रख सकता है। तथापि, मानसून के मौसम में दृश्यता अधिकतर 500 मीटर या उससे भी कम हो जाती है, जिससे विजुएल मेटरोलॉगिकल कंडीशन (वीएमसी) के अंतर्गत उड़ान प्रचालन में काफी कठिनाइयां आ जाती हैं। जनवरी 2021 में, दृश्यता बाधाओं को कम करने के लिए पेक्योंग हवाईअड्डे पर रिकवाइरड नेविगेशन परफ़ोर्मेंस (आरएनपी) एप्रोच लागू किया गया था। इस पहल से दृश्यता मानदंड घटकर 2400 मीटर हो गया है, जिससे उड़ान रद्दकरण में उल्लेखनीय 75% की कमी आई।

(ग) से (ड.): पेक्योंग हवाईअड्डे पर गगन-आधारित नेविगेशन सहायता की स्थापना के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था, जिसमें समीप के पहाड़ी इलाकों को हटाने या काटने की सिफारिश की गई थी। पेक्योंग हवाईअड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की स्थापना स्थान की उपलब्धता, पहाड़ी क्षेत्र और पहाड़ियों और पेड़ों की कटाई के साथ-साथ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता के कारण सीमित है।

****